

**प्रतिष्ठित अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन
नेचुरल हैजाड्स मिटिगेशन अवॉर्ड-2025 मिला**

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान आईआईटी इंदौर की प्रोफेसर को

भारत और दुनियाभर में कमजोर समुदायों की सुरक्षा

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की संकाय सदस्य को प्रतिष्ठित अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन (एजीयू) नेचुरल हैजाड्स मिटिगेशन अवॉर्ड-2025 से सम्मानित किया गया। सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर नीलिमा सत्यम को यह अवॉर्ड देकर सम्मानित किया है। यह

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्रोफेसर नीलिमा के भूस्खलन अध्ययन, भूकंप इंजीनियरिंग और आपदा जोखिम में कमी के क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य के लिए दिया गया है।

उनका शोध प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी, निगरानी और रोकथाम के लिए नई रणनीतियां विकसित करने के लिए व्यावहारिक विज्ञान और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ता है,

जिसका उद्देश्य भारत और दुनियाभर में कमजोर समुदायों की सुरक्षा करना है। प्रोफेसर नीलिमा ने भू-तकनीकी जांच, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे दुनिया भर में मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण और आपदा जोखिम में कमी में योगदान हुआ है।



**असाधारण निष्ठा और
नवाचार का प्रमाण**

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, प्रो. नीलिमा सत्यम की यह उपलब्धि उनकी असाधारण निष्ठा और संस्थान में नवाचार की भावना का प्रमाण है। उनके शोध कार्य से न केवल हमारा संस्थान वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ा है, बल्कि आपदा जोखिम में कमी और जलवायु लचीलापन के क्षेत्र में भारत की कोशिशों को भी मजबूती मिली है।

शोध के लिए बेहतरीन परिवेश और निरंतर सहयोग

प्रोफेसर नीलिमा ने कहा, मुझे यह सम्मान मिलने पर बहुत गर्व है। आईआईटी इंदौर ने शोध के लिए एक बेहतरीन परिवेश और निरंतर सहयोग दिया है, जिससे मुझे ऐसी बहु-विषयक परियोजनाओं पर काम करने का मौका मिला, जिनका उद्देश्य कमजोर समुदायों की सुरक्षा करना और मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना है। यह उपलब्धि आईआईटी इंदौर की अनुसंधान में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और आपदा प्रबंधन व जलवायु लचीलापन से संबंधित गंभीर चुनौतियों से निपटने में भारत की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करती है।

IIT Indore faculty bestowed with AGU Natural Hazards Mitigation Award

Our Staff Reporter

INDORE

Prof Neelima Satyam, a faculty member from the department of civil engineering, Indian Institute of Technology- Indore, has been awarded the American Geophysical Union (AGU) Natural Hazards Mitigation Award 2025.

This international recognition honours Satyam's pioneering work in landslide studies, earthquake engineering and disaster risk reduction. Her research integrates applied science and engineering to develop innovative strategies for predicting, monitoring and mitigating natural hazards, with a focus on protecting vulnerable communities both in India and abroad.

Satyam has significantly advanced geotechnical investigations, remote sensing applications and early warning systems for landslide-prone areas, contributing to the creation of resilient infrastructure and reduced dis-

aster risk worldwide.

IIT-Indore director Prof Suhas Joshi said, "Satyam's achievement is a testament to her exceptional dedication and the spirit of innovation at IIT-Indore. Her work not only elevates our institution on the global stage but also strengthens India's efforts in disaster risk mitigation and climate resilience."

Satyam remarked, "I am deeply honoured to receive this recognition. IIT-Indore has provided an excellent research environment and unwavering support, enabling me to pursue interdisciplinary projects that aim to safeguard vulnerable communities and build resilient infrastructure."